## Cover Back

## Cover Front

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

PM SHRI
Pradhan Mantri Schools for Rising India
Creating holistic and well-rounded individuals equipped with key 21st Century skills

# पी.एम. श्री राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज

## राबर्ट्सगंज, सोनभद्र

## “ स्तुति ” द्वितीय संस्करण

वार्षिक पत्रिका - 2025-26

## Cover Back Inner

## Cover Front Inner

### संपादक मण्डल

| | | |
|---|---|---|
| संरक्षक | श्री जयराम सिंह | जिला विद्यालय निरीक्षक |
| निर्देशक | श्रीमती रंजना शुक्ला | प्रधानाचार्या |
| संपादक | श्रीमती प्राची गुप्ता | स. अ. (हिन्दी) |
| सह–संपादक | श्रीमती वन्दना सिंह | प्रवक्ता (अंग्रेजी) |
| सदस्य | श्रीमती प्रतिमा पाल | प्रवक्ता (जीवविज्ञान) |
| सदस्य | श्रीमती रेखा कुमारी | प्रवक्ता (इतिहास) |
| आमंत्रित सदस्य | श्री ओम प्रकाश त्रिपाठी | वरिष्ठ लेखक एवं समाजसेवी |
| आमंत्रित सदस्य | कु0 मान्या सिंह | विद्यार्थी कक्षा– 12 |
| | कु0 जागृति पाण्डेय | विद्यार्थी कक्षा– 10 |

# अनुक्रमणिका


| क्रमांक | विषय | पेज नम्बर |
|---|---|---|
| 1. | सम्पादकीय | 01 |
| 2. | शुभकामना संदेश, जिलाधिकारी, सोनभद्र | 02 |
| 3. | शुभकामना संदेश, मुख्य विकास अधिकारी, सोनभद्र | 03 |
| 4. | शुभकामना संदेश, संयुक्त शिक्षा निदेशक विन्ध्याचल मण्डल | 04 |
| 5. | शुभकामना संदेश, जिला विद्यालय निरीक्षक, सोनभद्र | 05 |
| 6. | शुभकामना संदेश, प्रधानाचार्या | 06 |
| 7. | प्रमुख टेलीफोन नम्बर | 07 |
| 8. | विद्यालय विवरण | 08 |
| 9. | छात्राओं का नामांकन एवं उपस्थिति | 09 |
| 10. | हमारे शिक्षक | 10 |
| 11. | विद्यालय की उपलब्धियाँ (चित्र) | 11–13 |
| 12. | पंख पोर्टल (चित्र) | 14–15 |
| 13. | माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वछता प्रबन्धन (चित्र) | 16–17 |
| 14. | शिक्षिकाओं एवं छात्राओं के लेख (चित्र) | 18–58 |
| 15. | विद्यालय कार्यालय परिचय | 59 |
| | | |
| | | |

# सम्पादकीय

''किसी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक मापदंड उसकी शिक्षा व्यवस्था होती है।''
–डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम

शिक्षा केवल पाठयपुस्तकों तक सीमित ज्ञान नाम नहीं, बल्कि वह दिव्य प्रकाश है जो अज्ञान के अंधकार को चीरकर मानव को विवेक, संवेदना और आत्मबल की ओर ले जाता है। विद्यालय वह पुण्यभूमि है जहाँ भविष्य के नागरिक गढ़े जाते है, जहाँ विचारों को पंख मिलते हैं और मूल्यों को आधार।

हमारे विद्यालय ने इस शैक्षिक सत्र में शैक्षणिक उत्कृष्टता के साथ–साथ नैतिकता, अनुशासन, रचनात्मकता और सामाजिक उत्तरदायित्व को भी समान महत्व दिया। कक्षा–कक्षों में अर्जित ज्ञान, मंचों पर निखरी प्रतिभा, खेल मैदानों में सीखा गया संयम और समाज के प्रति जागृत हुई संवेदना–इन सबका समन्वित स्वरूप ही हमारे प्रयासों की सार्थकता है। तकनीक नवाचार और प्रतिस्पर्धा ने ज्ञान की सीमाएं विस्तृत की है ऐसे समय में आवश्यक है कि विद्यार्थी केवल अंक केंद्रित न होकर ज्ञान विवेक और संवेदना से युक्त नागरिक बने। सच्ची शिक्षा वही है जो सोचने, प्रश्न करने और सही गलत में अंतर करने की क्षमता दें।

विद्यालय में शिक्षक मार्गदर्शक की भूमिका निभाते हैं। वे दीपक की तरह स्वयं जलकर विद्यार्थियों के जीवन को प्रकाशमान करते है। साथ ही अभिभावकों का सहयोग इस शैक्षिक यात्रा को सुदृढ़ बनाता है। जब विद्यालय शिक्षक और परिवार मिलकर कार्य करते हैं, तब शिक्षा अपने उद्देश्य को पूर्ण करती है।

यह वार्षिक पत्रिका विद्यार्थियों की सृजनात्मक अभिव्यक्ति, शिक्षकों के सतत मार्गदर्शन तथा अभिभावकों के अटूट विश्वास का जीवंत दस्तावेज है। इसमें संकलित प्रत्येक लेख, कविता और विचार विद्यार्थियों की चेतना, चिंतन और कल्पनाशीलता का प्रतिबिंब है, जो समाज को नई दृष्टि प्रदान करता है।

आज के तीव्रगामी और प्रतिस्पर्धात्मक युग में शिक्षा का दायित्व केवल सफल करियर गढ़ना नहीं, बल्कि संवेदनशील, नैतिक और जागरूक मानव का निर्माण करना है। हमें विश्वास है कि यह पत्रिका पाठकों के मन में सकरात्मक विचारों का संचार करेगी और ज्ञान के इस यज्ञ में एक सार्थक आहूति सिद्ध होगी।

आइए, हम सभी मिलकर शिक्षा को संस्कारों से, ज्ञान को करूणा से और सफलता को सेवा से जोड़ते हुए उज्जवल भविष्य की ओर अग्रसर हों।

# शुभकामना संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि पी. एम. श्री. रा. बालिका इ. का. राबर्टसगंज, सोनभद्र की शिक्षिकाओं एवं छात्राओं द्वारा तैयार की जाने वाली वार्षिक पत्रिका 'स्तुति' द्वितीय संस्करण 2025–2026 का विमोचन होने जा रहा है।

विद्यालय की पत्रिका विद्यार्थियों की रचनात्मक क्षमता के प्रसार और सृजनशीलता के विकास का माध्यम होती है साथ ही इसमें संकलित लेख विद्यार्थियों के लिये पाठ्यक्रम से इतर ज्ञान संवर्धन का स्त्रोत भी होते है। मैं आशा करता हूँ कि पत्रिका छात्राओं की अभिव्यक्ति को व्यापक विस्तार देगी और यह उत्कृष्ट संकलन के साथ एक संग्रहणीय अंक होगा।

पत्रिका के सफल सम्पादन हेतु मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाये प्रेषित करता हूँ।

भवदीय

**श्री बद्रीनाथ सिंह**

जिलाधिकारी (सोनभद्र)

# शुभकामना संदेश

पत्रिका ''स्तुति'' (द्वितीय संस्करण) के भव्य प्रकाशन पर संपादकीय टीम और सभी लेखकों को हार्दिक बधाई। आशा है कि यह पत्रिका पाठकों के ज्ञान–संवर्धन और रचनात्मकता को नई दिशा प्रदान करेगी।

पत्रिका के उज्जवल भविष्य और निरंतर विकास हेतु मेरी हार्दिक शुभकामनायें हैं।

भवदीय

**श्रीमती जागृति अवस्थी**

मुख्य विकास अधिकारी

सोनभद्र

# शुभकामना संदेश

विद्यार्थी प्रतिभा को निखारने वाली इस पत्रिका ''स्तुति'' के द्वितीय संस्करण (2025–2026) के लिए हार्दिक बधाई।

यह पत्रिका छात्रो ं के रचनात्मक विचारो ं का दर्पण बने, यही कामना है।''

भवदीय

**श्री उदयभान**

संयुक्त शिक्षा निदेशक

विन्ध्याचल मण्डल

मीरजापुर

# शुभकामना संदेश

यह बहुत ही प्रसन्नता की बात है कि विद्यालय की पत्रिका ''स्तुति'' अपने नए प्रारूप मे ं एक बार फिर हमारे सामने आ रही है।

मैं बधाई और शुभकामनाएँ दोनो ं देता हूँ और उम्मीद करता हूँ कि यह विद्यार्थियो ं की रचनात्मक प्रतिभा को हमारे सामने प्रकट करने मे ं उल्लेखनीय कार्य करेंगी।

भवदीय

**श्री जयराम सिंह**

जिलाविद्यालय निरीक्षक

सोनभद्र

# शुभकामना संदेश

विद्यालय केवल ज्ञान का केंद्र नहीं, बल्कि संस्कारों, मूल्यों और व्यक्तित्व निर्माण की पावन भूमि है। यह जानकर अत्यन्त हर्ष होता है कि हमारे विद्यालय की वार्षिक पत्रिका ''स्तुति'' विद्यार्थियों की रचनात्मकता, चिंतन और प्रतिभा को अभिव्यक्त करने का सशक्त माध्यम बनकर आपके हाथ में है।

''स्तुति'' केवल शब्दों का संकलन नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के सतत परिश्रम, कल्पनाशीलता और बौद्धिक चेतना का प्रतिबिंब है। इसमें संकलित लेख, कविताएँ और रचनाएँ विद्यार्थियों की संवेदनाशील दृष्टि, मौलिक सोच और सीखने की जिज्ञासा को दर्शाती हैं। यह पत्रिका इस बात का प्रमाण है कि हमारे विद्यार्थी न केवल अध्ययन में, बल्कि साहित्य, कला औ विचार के क्षेत्र में भी निरंतर आगे बढ़ रहे है।

आज के बदलते समय में शिक्षा का उद्देश्य केवल शैक्षणिक उपलब्धियाँ नहीं, बल्कि संवेदनशील, अनुशासित और जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण करना है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि हमारे विद्यार्थी अपने ज्ञान, संस्कार और आत्मविश्वास के बल पर समाज और राष्ट्र के उज्जवल भविष्य का निर्माण करेंगे।

इस पत्रिका के प्रकाशन में सहयोग देने वाले सभी शिक्षकगण, संपादक मंडल और विद्यार्थियों को मैं हार्दिक बधाई देती हूँ। आशा है कि ''स्तुति'' का यह अंक पाठकों के मन में ज्ञान के प्रति श्रद्धा, सृजन के प्रति उत्साह और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न करेगा।

सभी विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य हेतु मेरी ढेरों शुभकामनाएँ।

**श्रीमती रंजना शुक्ला (PES)**

**– प्रधानाचार्या**

पी0एम0श्री राजकीय बालिका इण्टर कालेज

राबर्ट्सगंज, सोनभद्र

# प्रमुख टेलीफोन नम्बर

| जनपद के अधिकारियों का फोन नम्बर | सी0 यू0 जी0 नम्बर | कार्यालय | आवास |
|---|---|---|---|
| आयुक्त, विन्ध्याचल मंडल मीरजापुर | 9454417505 | 245700 | 245100 |
| जिलाधिकारी, सोनभद्र | 9454417569 | 05444–222190 | 05444–223001 |
| जनपद एवं सत्र न्यायाधीश, सोनभद्र | 9415249479 | 222161 | 252668 |
| पुलिस अधिक्षक, सोनभद्र | 9454400304 | 05444–252631 | 05444–252673 |
| मुख्य विकास अधिकरी, सोनभद्र | 9454465131 | 05444 | 297790 |
| अपर जिलाधिकरी (वि/रा), सोनभद्र | 9454417640 | 05444 | 222014 |
| अपर जिलाधिकरी (न्यायिक), सोनभद्र | 9005860763 | | |
| अपर पुलिस अधीक्षक, मुख्य,सोनभद्र | 9454401110 | 05444 | 252642 |
| अपर पुलिस अधीक्षक, आप, सोनभद | | 05444 | 252648 |
| पुलिस लाइन, सोनभद्र | | 05444 | 252093 |
| कन्ट्रोल रूम, सोनभद्र | | 05444 | 252612 |
| मुख्य चिकित्साधिकारी, सोनभद्र | 9415243543 | 05444 | 297705 |
| अपर जिनाधिकारी नमामि गंगे, सोनभद्र | 9454416852 | | |
| कक्ष/जिलाधिकारी, सोनभद्र | 9454416851 | | |
| डी. एफ. ओ. सोनभद्र | 9453006774 | | |
| जिलाधिकारी, रार्बट्सगंज | 9454416845 | 05444 | 297550 |
| जिलाधिकारी, दुद्धी | 9454416846 | 05444 | 297002 |
| जिलाधिकारी, घोरावल | 9454416847 | 05444 | 297713 |
| जिलाधिकारी, सोनभद्र (मुख्यालय) | 9454416844 | 05444 | |
| जिलाधिकारी, ओबरा | 9454416853 | | 297101 |
| खनिज विभाग, सोनभद्र | 8887534847 | 05444 | |
| जिला पंचायात राज अधिकारी, सोनभद्र | 8299357756 | | |
| जिला विद्यालय निरीक्षक, सोनभद्र | 9454457375 | | |
| बेसिक शिक्षा अधिकारी, सोनभद्र | 9453004197 | | |
| जिला सूचना कार्यालय, सोनभद्र | 9453005418 | | |
| एवं संख्याधिकारी, सोनभद्र | 9450724562 | 05444 | 222204 |
| परियोजना निदेशक, सोनभद्र | 9454465132 | 05444 | 297113 |
| वरिष्ठ कोषाधिकारी, सोनभद्र | 8423444433 | 05444 | 222237 |
| जिला निर्वाचन कार्यालय, सोनभद्र | 9454418090 | 05444 | 222030 |
| चुनाव कार्यालय, सोनभद्र | 8299180976 | 05444 | 222959 |
| श्रमायुक्त, पिपरी, सोनभद्र | 9451460000 | 05444 | 252094 |
| अभियन्ता विद्युत, राबर्ट्सगंज | 9450963600 | 05444 | 222167 |
| तहसीलदार, ओबरा | 9454416855 | | |
| तहसीलदार, राबर्ट्सगंज | 9454416848 | 05444 | 222510 |
| तहसीलदार, घोरावल | 9454416850 | 05444 | 285418 |
| तहसीलदार, दुद्धी | 9454416849 | 05444 | 223328 |
| तहसीलदार (न्यायिक) | 9454416852 | | |
| तहसीलदार, राबर्ट्सगंज | 9454416853 | | |
| तहसीलदार, दुद्धी | 9454416854 | 05444 | 223328 |
| तहसीलदार, घोरावल | 9454416855 | 05444 | 285418 |
| उपप्रबन्धक जिला उद्योग केन्द्र, सोनभद्र | 9305968683 | 05444 | 297701 |
| जिला अस्पताल, राबर्ट्सगंज | 9628372802 | 05444 | 222345 |
| जिला स्टेशन, राबर्ट्सगंज | 9454404286 | | |
| स्टेशन, राबर्ट्सगंज | 9794837890 | | |
| पुलिस चौकी, राबर्ट्सगंज | 9454404300 | | |
| नगर पालिका परिषद, सोनभद्र | 8004800360 | | |
| जिला आवकारी अधिकारी | | 05444 | 297718 |
| जिला कार्यक्रम अधिकारी | | 05444 | 297696 |
| जिला पशु चिकित्साधिकारी, सोनभद्र | | 05444 | 297014 |
| जिला सैनिक कल्याण, सोनभद्र | | 05444 | 223885 |
| आयुक्त उद्योग, सोनभद्र | | 05444 | 297701 |
| आयुक्त राज्यकर विभाग, सोनभद्र | | 05444 | 297719 |
| जिला पूर्ति अधिकारी, सोनभद्र | | 05444 | 297512 |

# पी0 एम0 श्री0 राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज

**राबर्ट्सगंज सोनभद्र**

**स्थापना वर्ष– 1961**

**संचालन वर्ष– 1961**

**विद्यालय की वेबसाइट–** government girls inter college robertsganj.com

Twitter Account @ Ggic Robertsganj

UDISE CODE-09700300714

## विद्यालय में संचालित विषय वर्ग तथा विषय

| क्रम0 सं0 | विषय वर्ग | मान्य विषय |
|---|---|---|
| 1. | मानविकी | हिन्दी, अंग्रेजी, इतिहास, नागरिकशास्त्र, गृह विज्ञान, अर्थशास्त्र, चित्रकला आलेखन |
| 2. | विज्ञान | सामान्य हिन्दी, अंग्रेजी, गणित, जीव विज्ञान, भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान |

## छात्राओं का नामांकन एवं उपस्थिति

| क्रम संख्या | वर्ष | नामांकन | उपस्थिति प्रतिशत |
|---|---|---|---|
| 01 | 2024–2025 | 1344 | 82–85% |
| 02 | 2025–2026 | 1247 | 86–88% |

विवरण– पी.एम. श्री राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज राबर्ट्सगंज, सोनभद्र, राबर्ट्सगंज ब्लॉक के अन्तर्गत आता है। विद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता और अनुशासन की प्रसिद्धि के कारण ब्लॉक के अतिरिक्त दूर–दराज के गाँवो ं की छात्रायें विद्यालय में प्रवेश लेने के लिए उत्साहित रहती है।

विद्यालय की शिक्षिकाएं नियमित कक्षाएं लेने के साथ–साथ विद्यार्थियो ं व अभिवावको ं की समस्याओ ं को ध्यान से सुनती है। उनकी समस्याओ ं को यथासम्भव हल करने का प्रयास करती हैं जिससे अभिभावको ं में विद्यालय के प्रति रूचि बढ़ी और उनकी बैठक में सहभागिता भी अच्छी हुयी।

विद्यार्थियो ं को नियमित कक्षा के साथ–साथ उनका मासिक आकलन करके उनके अधिगम स्तर के अनुसार शिक्षण कार्य किया जाता है। पठन–पाठन के साथ–साथ छात्राओ ं को सहगामी क्रियाकलापों में प्रतिभाग करने के लिए न केवल प्रोत्साहित किया जाता है बल्कि उन्हें अपनी क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए विभिन्न कार्यक्रमें के द्वारा मंच भी प्रदान किया जाता है। विद्यालय की गतिविधियाँ उनके अनुरूप होने के कारण ही छात्राओ ं ने कला उत्सव, खेलकूद, विज्ञान, क्लब गणित, क्लब अटल टिंकरिंग लैब, बैण्ड प्रतियोगिता आदि में प्रतिभाग कर विद्यालय का मान बढ़ाया।

समग्र शिक्षा
Samagra Shiksha

# "हमारे शिक्षक"

PM SHRI

UDISE CODE : 09700300714

## राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र

| क्रम. सं. | शिक्षक का नाम | फोटो | पदनाम | शैक्षिक एवं प्रशिक्षण योग्यता | विद्यालय में तैनाती तिथि | मानव सम्पदा आई.डी. |
|---|---|---|---|---|---|---|
| 1. | VANDANA SINGH | | LECTURER | M.A., B.Ed. | 23-11-2010 | 825546 |
| 2. | CHANDA YADAV | | LECTURER | M.Sc., NET | 01-02-2011 | 825608 |
| 3. | REKHA KUMARI | | LECTURER | M.A., B.Ed. Ph.D., NET, JRF | 25-01-2021 | 1367950 |
| 4. | ARCHANA SINGH YADAV | | LECTURER | M.A., B.Ed. NET, Ph.D. JRF | 17-02-2021 | 1367971 |
| 5. | VANDANA SINGH | | LECTURER | B.Sc., M.Sc. B.Ed. | 20-12-2022 | 2213037 |
| 6. | PRATIMA PAL | | LECTURER | B.Sc., M.Sc. B.Ed. | 20-12-2022 | 2213068 |
| 7. | NEHA JATAV | | LECTURER | B.Sc., M.Sc. NET, Ph.D. | 21-12-2022 | 2212978 |
| 8. | NISHA SINGH | | ASS. TEACHER | B.Sc., M.Sc. B.Ed. | 06-09-2011 | 825661 |
| 9. | BHAWNA RANI | | ASS. TEACHER | B.Sc. M.Sc. (H.Sc.) B.Ed. M.A. | 22-09-2011 | 826228 |
| 10. | SEEMA | | ASS. TEACHER | B.Sc. M.Sc., B.Ed. | 12-10-2012 | 825656 |
| 11. | PREETI | | ASS. TEACHER | M.A. B.Ed.. NET | 16-08-2021 | 1393452 |
| 12. | PRACHI GUPTA | | ASS. TEACHER | M.A., B.Ed. NET, JRF | 20-09-2021 | 1393436 |

## उपलब्धि सहगामी क्रियाकलाप

| क्र0 सं0 | प्रतियोगिता | छात्रा का नाम | वर्ष | स्थान | स्तर |
|---|---|---|---|---|---|
| 1. | विज्ञान प्रदर्शनी | निक्की सोनी, मान्या | 2025 | चतुर्थ | जनपद |
| 2. | कला उत्सव | निशा, संजना, इच्छा आकांक्षा | 2025 | तृतीय | राज्य |
| 3. | खेलकूद | रोशनी | 2025 | द्वितीय | जनपद |
| | | एंजल | 2025 | प्रथम | जनपद |
| 4. | अटल टिकंरिग प्रयोगशाला | निक्की सोनी | 2025 | प्रथम | राज्य |
| 5. | ओलम्पियाड (हिन्दी) | यशस्वी | 2025 | प्रथम | – |
| | गणित | मीनाक्षी | 2025 | द्वितीय | – |
| | गणित | आकांक्षा | 2025 | तृतीय | – |
| 6. | कैरयर मेला | स्वेच्छा | 2025 | तृतीय | जनपद |
| 7. | बैण्ड प्रतियोगिता | गुड़िया, मीनाक्षी, आँचल लता, अदिति, बबली, नैना मोदनवाल, लक्ष्मी आइमन खुशी | | प्रथम | जनपद |

पी.एम. श्री राजकीय बालिका इण्टर कालेज
राबर्ट्सगंज - सोनभद्र

# पंख पोर्टल और गतिविधियाँ

यूपी पंख पोर्टल करियर गाइडेन्स प्रोग्राम की शुरूआत हमारे माननीय मुख्यमंत्री जी श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा दिनांक 5 सितम्बर 2022 को की गई। यह पोर्टल छात्राओं को उनकी रूचियों और क्षमताओं के आधार पर उपयुक्त करियर विकल्पों की जानकारी देता है। इससे विद्यार्थी भविष्य की योजना बनाने में सक्षम होते है। इस योजना में यूनिसेफ का भी सहयोग है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत की जाने वाली गतिविधियों में –

- कॅरियर हब
- कॅरियर क्लब
- शिक्षक अभिभावक बैठक (पी टी एम) तथा कॅरियर मेले का समावेश कर कार्यक्रम को और भी आकर्षक एवं उपयोगी बनाया गया है।
- इसकी कुछ झलकियां इस पत्रिका के माध्यम से प्रस्तुत की गयी है।
- पंख डायरी का निर्माण।

1. कॅरियर हब (सूचना का केंद्रीकरण)–
   शिक्षा, प्रवेश परीक्षायें, कॉलेजो की जानकारी, छात्रवृत्ति आदि की सभी जानकारी विद्यालय में बने कैरियर हब के माध्यम से एक ही जगह उपलब्ध होती है।
   इससे छात्राओं और शिक्षकों दोनों के समय की बचत होती है।
2. करियर क्लब (कॅरियर मार्गदर्शन का माध्यम)–
   विद्यालय में करियर गतिविधियों को संचालित करने के लिये करियर क्लब का गठन किया गया है। जिसके अंतर्गत विभिन्न गतिविधियाँ छात्र–छात्राओं के सर्वांगीण विकास के लिये आवश्यक है। इन गतिविधियाँ के निम्नलिखित है–

- स्वज्ञान और आत्मविश्लेषण
- सही करियर चयन में सहायता
- मूल्यांकन और टेस्ट
  करियर इंटरेस्ट टेस्ट (साइकोमेट्रिक टेस्ट) और तमन्ना एप्टीटूयूट टेस्ट के माध्यम से छात्रायें अपने रूचि व योग्यता क्षेत्र को पहचान सकती है।
  शिक्षकों की करियर गाइडेन्स एक्पर्ट के रूप में भूमिका सुनिश्चित करना।

3. शिक्षक अभिभावक बैठक (पी टी एम)–
   करियर से संबंधित कार्यक्रमों जैसे अभिभावक संगोष्ठी में अभिभावकों की भागीदारी से वे भी भविष्य के लिये सजग होते है।
4. कौशल विकास (कॅरियर मेला)–
   कॅरियर मेला व अन्य गतिविधियों के माध्यम से छात्राओं में संवाद, नेतृत्व और टीमवर्क जैसे आवश्यक कौशल विकसित होते है तथा करियर से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त कर सकते है।
5. पंख डायरी– कॅरियर गाइडेन्स के अन्तर्गत छात्राओं द्वारा अपनी–अपनी पंख डायरी बनायी गई है। जिसमें छात्राओं ने अपने–अपने परिवार, अपने सपने तथा सपनों के करियर के बारें में अपने विचार लिखे है। वे डायरी को पढ़कर अपने करियर के लिये प्रेरित होती है।
6. कॅरियर गाइडेन्स उपलब्धियाँ–
7. कॅरियर गाइडेन्स के अन्तर्गत जनपद–स्तरीय मेले में छात्रा–स्वेच्छा, कक्षा–10, द्वारा उत्कृष्ट प्रदर्शन करके तृतीय स्थान प्राप्त किया गया। स्वेच्छा को जिला विद्यालय निरीक्षक महोदय द्वारा शील्ड एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।
8. करियर गाइडेन्स जनपद– स्तरीय मेला में विद्यालय की छात्राओं द्वारा विभिन्न प्रकार के कॅरियर का सजीव प्रदर्शन किया गया। छात्राओं को जिला विद्यालय निरीक्षक महोदय द्वारा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

## आपके लिए उपयोगी वेबसाइट्स

https://uppankh.in/ - सपनों को देंगे नई उड़ान

https://careerguidance.unilearn.org.in/ - करियर पथ में आपका स्वागत है – सफलता के 500 रास्ते

https://vikramshila.org/cii/ - करियर रूचि सूची

https://drive.google.com/file/d/1VHC3BEFuzOtO8qWrEap0J00Ap7Mkyz/view?usp=drivesdk – Care Cards Volume 1 (Ministry of Education)

https://drive.google.com/file/d/15BOIn3TYNghztasJq0r5rKr7vTaQ4Rp/view?usp=drivesdk – Care Cards Volume 1 (Ministry of Education)

https://azimpremjifoundation.org/what-we-do/education/azim-premji-scholarship/- अजीम प्रेमजी स्कॉलरशिप– छात्राओं को कॉलेज शिक्षा जारी रखने में सहायता करनें के लिए एक पहल

निशा सिंह (स. अ.)
कैरियर गाइडेन्स नोडल
पी.एम. श्री राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज
राबर्ट्सगंज सोनभद्र

## नर, नर न रहा

ना नर में कोई राम बचा, न नारी में कोई सीता है।
न धरा बचाने के खातिर, विष कोई शंकर पीता है।
ना श्रीकृष्ण सा धर्म–अधर्म का किसी में ज्ञान बचा है।
ना हरिश्चंद्र या सत्य किसी के अंदर रचा बसा है।
ना गौतम बुद्ध सा धैर्य बचा, ना नानक जी सा परम त्याग
बस नाच रही है नर के भीतर, प्रतिशोध की कुटिल आग
फिर बोलो कि उस स्वर्णिम युग का क्या अंश बाकी तुम में है
कि किसी धुन में रमकर तुम फूले नहीं समाते हो
तुम स्वयं को श्रेष्ठ बताते हो।

आकृति चौबे
8A

# माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रबन्धन

पी0एम0श्री राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज राबर्ट्सगंज सोनभद्र में कक्षा–6 से कक्षा–12 तक की छात्राओं के लिए किशोरी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रबन्धन के अन्तर्गत एम0एच0एम0 कार्नर बनाया गया है। एम0एच0एम0 कॉर्नर में एक बेड, हिटिंग पैड, कम्बल, चादर एवं माहवारी के दौरान आवश्यक सामग्री उपलब्ध है जिससे माहवारी के समय होने वाली परेशानी के कारण किशोरियों को विद्यालय की जरूरत नहीं पड़े। एम0एच0एम0 क्लब गठित किया गया है जिसमें क्लब के सदस्यों (शिक्षिकाओं) द्वारा प्रत्येक शनिवार किशोरी मंच का आयोजन किया जाता है। जिसमें माहवारी से सम्बन्धित समस्याओं एवं निस्तारण हेतु बच्चों को जानकारी दी जाती है। किशोरी को प्रति माह नि:शुल्क सेनेटरी नैपकिन को वितरित किया जाता है। विद्यालय में सेनेटरी नैपकिन को विनष्टीकरण हेतु वेंडिंग मशीन एवं इन्सीनेरटर की व्यवस्था है, जो क्रियाशील है। छात्राओं के खाते में सेनेटरी नैपकिन के लिए प्रति छात्रा 300.00 रू0 की धनराशि भी आवंटित किया गया है। शिक्षक अभिभावक संघ की बैठक में बच्चों के अभिभावकों को भी माहवारी स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए जागरूक करते हुए सेनेटरी नैपकिन वितरित किया गया है, जिसमें अभिभावकों ने उत्साह पूर्वक जानकारी प्राप्त की है।

विद्यालय में समय–समय पर छात्राओं के स्वास्थ्य के दृष्टिगत स्वास्थ्य विभाग टीम द्वारा विद्यालय के सहयोग से किशोरियों को माहवारी स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के अन्तर्गत जानकारी दी जाती है। छात्राओं की आकस्मिक आवश्यकताओं के अनुसार भी उन्हें सैनेटरी नैपकिन उपलब्ध कराया जाता है। विद्यालय में छात्राओं के लिए पर्याप्त शौचालय सतत् पानी की व्यवस्था तथा साफ–सफाई की समुचित व्यवस्था है।

TODAY
AREADER

## कविता

### *उड़ान*

मैं हूँ सुनहरी, स्कूल जाऊँगी,
शिक्षा के पंखों से उड़ान भरूँगी।
गणित पढ़ूँगी मैं विज्ञान पढ़ूँगी,
अंग्रेजी, हिन्दी और इतिहास पढ़ूँगी।

पढ़–लिखकर मैं अपना विकास करूँगी,
गाँव–घर और देश का नाम करूँगी।
अपने मन के अज्ञान को दूर करके,
ज्ञान और विज्ञान का प्रसार करूँगी।

कौशल–विकास की शिक्षा लेकर,
अपने कौशल का विकास करूँगी।
अपने रोजगार की शुरूआत कर
औरों की भी जीविका का इन्तजाम करूँगी।

आत्मरक्षा का प्रशिक्षण ग्रहण कर,
निर्भयता से अपना जीवन व्यतीत करूँगी।
अपने पास–पड़ोस और साथियों को जागरूक कर,
निर्भय जीवन का अवसर प्रदान करूँगी।

कोमल
कक्षा– 9A

LOADING
UNLOADING
PLATFORM

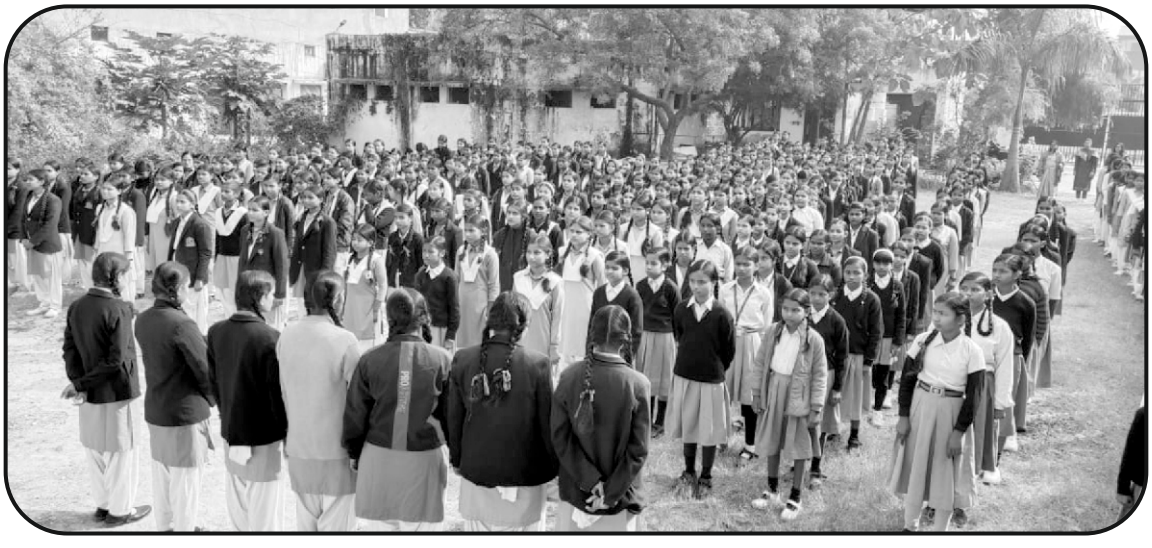

# गणित की पहेलियाँ

1. 100 रूपये के छुट्टे करो जिसमें 10 के नोट ना हों और नोटों की संख्या 10 हो।
2. 2+2 का आधा कितना होता है?
3. 25 में से 5 आप कितनी बार घटा सकते है?
4. एक नदी पर दो पिता और दो पुत्र मछलियाँ पकड़ने गये। उनमें से प्रत्येक ने एक–एक मछली पकड़ी। उन लोगों ने कुल तीन ही मछली पकड़ी। ये कैसे हुआ?
5. क्लास में एक नई लड़की आई। तब सभी ने उसका नाम पूछा। लड़की ने ब्लैक–बोर्ड पर लिखा 12/01/2001 और नाम गेस करने को कहा। लड़की का नाम क्या होगा?

उत्तर

1. 50+20+5+5+5+5+5+2+2+2+1
2. 3
3. एक बार (क्योंकि एक बार घटाने के बाद वह संख्या 25 नहीं रहेगी।)
4. क्योंकि वे तीन ही व्यक्ति थे– पिता, पुत्र, दादा।
5. **LATA** (वर्णमाला में L-12 वाँ अक्षर, A-01 अक्षर, T-20 वाँ अक्षर, A-01 अक्षर)

**निधि अवस्थी**
Class : 9th B

PM
SHRI
GOVT. GIRLS INTER COLLEGE ..
"ROBERTSGANJ – SONEBHADRA"

# सुविचार

1. जरूरी नहीं है कि परीक्षा में
   हर बच्चा टॉप करें,
   क्योंकि कुछ लोग टॉप करके भी
   अपने जीवन में असफल हो रहे है
   और कुछ लोग फेल होकर भी
   आसमान की बुलंदियों को छू रहे है।
2. जरूरी नहीं है कि हर बच्चा पढ़ाई में अच्छा हो
   क्योंकि कुछ लोग पढ़ाई में अच्छा होकर भी
   अपने जीवन में असफल हो रहे है और कुछ लोग पढ़ाई में
   अच्छा न होकर भी अपने जीवन में सफल हो रहे है
   क्योंकि Power of study नहीं Power of skill होता है।
3. बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का नारा सभी लोग देते है
   लेकिन उसी बेटी पर अत्याचार करते है कि
   लड़की चरित्रहीन है जबकि हमारे वेद,
   पुराणों में बेटी को शक्ति का रूप कहा गया
   परन्तु आज के इस कलयुग में बेटी को भोग की वस्तु समझा गया।
4. वह नारी कैसी नारी जिसके अन्दर माँ की ममता ही नहीं
   जो बच्चों को शिष्टाचार सिखाने के बजाय हाथों में फोन दे देती है
   वस्त्रों के नाम पर अश्लील कपड़े पहनती है अरे! नारी तो वह नारी होती है
   जो पूरे सृष्टि को बनाये रखती है नारी वो होती है
   जो अपने बच्चों के अन्दर शिष्टाचार बनाये रखती है
   माँ पार्वती, सरस्वती, लक्ष्मी भी एक नारी थी
   जिसने पूरी सृष्टि को सही दिशा दिखाई थी।
5. आज के इस कलयुग में अच्छे को अच्छा कहकर छोड़ दिया जाता है
   सिर्फ और सिर्फ बुरे लोगों को ही पूजा जाता है।
   जबकि सच्चाई यह है कि Respect सदैव एक अच्छे व्यक्ति
   की करनी चाहिए चाहे व छोटा हो या बड़ा।
6. कुछ लोग सोचते है कि गंगा स्नान करने से सारे पाप धुल जाते है
   शायद वह भूल जाते है कि भीष्म खुद गंगा मईया के पुत्र थे
   लेकिन फिर भी कर्मो का फल मिला तो हम क्या गंगा स्नान
   करने से अपने पापों व कर्मों के फल से भला कैसे वंचित हो सकते है।

# सुविचार

15. आज के इस तकनीकी भरे जीवन में सभी लोग सिर्फ
और सिर्फ प्रदूषण फैला रहे है
आज के सुख के लिए कल का दुख अपना रहे है।

16. न जाने लोगों को क्या हो गया है
वह प्रकृति व पर्यावरण को इतना प्रदूषित कर रहे है
कि धरती पर जीवन समाप्त होने की कगार पर आ रहा है
शायद वह भूल जाते है कि हम जितना प्रकृति को
तकलीफ देंगे उससे कई गुना ज्यादा प्रकृति हमें तकलीफ देगी।

17. सड़क सुरक्षा जीवन रक्षा का नारा तो सभी लोग देते है
परन्तु उसे कोई फॉलो नहीं करता। सभी लोग तेज रफ्तार में नशा करके व
स्टेट करके वाहन चलाते है शायद वह भूल जाते है
कि ये सब चीजें करने से उन्हें मौत का सामना करना पड़ सकता।

धन्यवाद

Pradhan Mantri School for
Rising India
PM
SHRI

PM
SHRI
राजकीय बालिका इण्टर कालेज
राबर्ट्सगंज- सोनभद्र

## कविता

# कविता मिट्टी के सच्चे लाल

फांसी चूमी भगत ने हंसकर,
इंकलाब को गीत बनाया,
मातृभूमि के चरणो ं मे ं,
जीवन सारा अर्पित कर आया।

न डर, न लालच, न कोई मोह,
बस मातृभूमि प्यारी थी,
उनकी आंखो ं मे ं जो ज्वाला थी,
वो क्रान्ति की चिंगारी थी।

आजाद नाम आजाद रूह,
हथियारो ं से वह खेला था,
सीना तान रणभूमि मे ं,
वह दुश्मन से लड़ा अकेला था।

चलो ं उठे फिर एक बार,
हम उस जोश को जगाने को,
अपने भीतर आग जले,
भारत माता को सजाने को।

# बेरोजगारी पर कविता

बेरोजगारी! बेरोजगारी! बेरोजगारी!
खाली कंधो ं पर थोड़ा–सा भार चाहिए,
बेरोजगार हूँ साहब रोजगार चाहिए।
जेब मे ं पैसे नहीं है, डिग्री लिए फिरता हूँ,
दिन पर दिन मै ं अपनी नजरो ं मे ं ही गिरता हूँ,
कामयाबी के घर मे ं खुले किवाड़ चाहिए,
बेरोजगार हूँ साहब रोजगार चाहिए।

दिन–रात मै ं मेहनत बहुत करता हूँ,
सूखी रोटी खा करके ही मै ं अपना पेट भरता हूँ,
नौकरी पाने के लिए यहाँ जुगाड़ चाहिए,
बेरोजगार हूँ साहब रोजगार चाहिए।

लिखते–लिखते मेरी कलम घिस गयी,
नौकरी कैसे मिले जब नौकरी ही बिक गयी,
नौकरी की प्रक्रिया मे ं अब सुधार चाहिए,
बेरोजगार हूँ साहब रोजगार चाहिए।

**Jagriti Pandey**
**Class : 10th B**

# Amazing Math facts

- 153 is an Armstrong number because $153 = 1^3+5^3+3^3$
- Some other Armstrong numbers are : 370, 371, 407
- A googol is $10^{100}$ 1 followed by 100 zeros.
- The golden ration φ is approximately 1.618 and appears in architecture, art and nature.
- The equal sign (=) was first used in 1557 by welsh mathematician Robert Recorde.
- A perfect number is a number equal to the sum of its divisors excluding itself.
- Infinity (∞) is not a number but a concept describing something without limit.
- A mathematical wonder
  111111111 multiplied by 111111111 gives the result 12345678987654321 .

**Seema**
A.T. [Math/Science]

TUFF
2025, 14:23

उ0प्र0 कौशल विकास मिशन
कौशल प्रशिक्षण केंद्र

# Turn Stress into Strength

Board examinations are one of the most important milestones in a student's life. Every year, lakhs of students appear for board exams with dreams, hopes, and expectations.

Many students feel stress, fear, and pressure during this time. Student's must remember that board exams are just a part of life, not the whole life. They help students understand their strengths and encourage them to work harder for their future goals. Board exams play an important this time. It is natural to feel nervous, but we role in shaping a student's academic career. The marks obtained in these exams can open doors to higher education and future opportunities. However, success in board exams does not depend only on intelligence, but on regular effort and proper planning.

A student who studies regularly with dedication always achieves good results. Consistency is more important than studying for long hours only at the last moment. Even small daily efforts Can bring big achievements. Students should make a proper timetable, revise topics regularly, and practice writing answers. Smart study with focus is the best way to score well.

One of the biggest challenges during board exams is staying positive. Negative thougnts like “Icannot do it” or “I will fail” can reduce confidence. Instead, students should believe in themselves and their preparation. Self-confidence is the strongest weapon. When you trust yourself, no exam cat defeat you. Avoid Stress and Take Care of Health

Stress is common during exams, but too much stress can affect performance. Students should take short breaks, sleep properly, eat healthy food, and stay calm. A healthy mind lives in a healthy body. Meditation, light exercise, and talking to parents or teachers can help reduce anxiety. Do Not Compare with Others. Every student has different abilities and learning styles. Comparing yourself with others only creates pressure. Focus on your own progress and improvement. Your competition is with yourself, not with anyone else.

Board examinations are an opportunity to prove your hard work and dedication. They are not something to fear but something to face with courage and confidence. With proper planning, regular revision, positive thinking, and strong determination, every student can achieve success. Exams are temporary, but your efforts and learning are permanent. “So, stay motivated, work hard, and give your best. Success will surely come to you.

Best wishes for your board examination.

**Pratima Pal**
Biology lecturer

New Delhi, Delhi, India
India Gate, Kartavya Path, India Gate, New Delhi, Delhi 110
Lat 28.612782° Long 77.229455°
Thursday, 29/01/2026 12:17 PM GMT +05:30
Google

# सफल लोगों की चार बातें

जीवन में अच्छे अवसर तो सबके सामने आते हैं, लेकिन उनमें से कुछ ही सफल हो पाते है। क्या आप जानना नहीं चाहेंगे कि ऐसा क्यों होता है? वो कौन–सी बातें है, जो वास्तव में उन्हें दूसरों से अलग करती है। आइए नजर डालते हैं सफल लोगों की कुछ अच्छी आदतों पर–

1. जल्दी जागना– सफल लोग, सुबह जल्दी जागने का अभ्यास करते हैं, ताकि वे अपनी सुबह के घंटों का और अधिक उत्पादकता से इस्तेमाल कर सके।
2. कल्पना शक्ति का उपयोग– सफल लोगों को पता है कि वे अपनी कल्पना का उपयोग भविष्य बनाने के लिए कैसे कर सकते हैं, बजाय इसके कि वे उन चीजों के बारें में सोचे और कल्पना करें जो वे नहीं चाहते। कल्पना करना, तेजी से किसी व्यक्ति की उपलब्धि और सफलता को बढ़ा सकता है।
3. मानसिक समृद्धि के प्रयास– टी.वी. देखने, सोशल मीडिया पर लगातार स्क्रोल करते हुए समय बर्बाद करने या काम टालते रहने के बजाय, सफल लोग अपना समय ज्ञान और जुनून बढ़ाने वाली चीजों के बारें में पढ़ने और समझने में अधिक व्यतीत करते हैं।
4. ध्यान में बैठना– सफल लोग मौन में बैठने के लिए समय निकालते हैं। शांत हो जाना, मौन में अकेले समय बिताना, खुद से जुड़ना हमारे शरीर, मन और समग्र दृष्टिकोण पर बहुत सकारात्मक प्रभाव डालता है।

आइए तो अपने जीवन को समृद्ध करते हैं, आत्मविश्वास को बढ़ाते हैं और खुद को बड़ा सोचने के लिए प्रेरित करते हैं और अपने सपनों को वास्तविकता बनाने के लिए एक कदम आगे बढ़ाते हैं।

भावना रानी
स.अ. (गृहविज्ञान)

# मेरी आदर्श- मेरी माँ को पत्र

प्रिय माँ,

सप्रेम नमस्कार।

आशा करती हूँ कि आप स्वस्थ और प्रसन्न हो ंगी। मै ं यह पत्र आपको लिख रही हूँ ताकि बता सकूँ कि आप मेरे लिए कितनी महत्वपूर्ण हैं।

माँ आप मेरे जीवन की पहली शिक्षिका हो। आपने मुझे बोलना सिखाया, चलना सिखाया और दूसरो ं के साथ अच्छा व्यवहार करना सिखाया। आप हमेशा कहती हैं कि ईमानदार, दयालु और मेहनती बनो। आज मै ं जो भी हूँ, वह आपके प्यार और मार्गदर्शन की वजह से हूँ। मैं ने देखा है कि आप सुबह से रात तक परिवार के लिए काम करती हैं। आप जल्दी उठती हो, घर संभालती हो, और फिर भी मुस्कान के साथ मेरी देखभाल करती हो। थकान होने पर भी आप कभी शिकायत नहीं करती हो आपका परिवार के लिए त्याग मुझे प्रेरणा देता है। आपने दिखाया है कि असली ताकत धैर्य और प्रेम मे ं होती है। मुझे याद है कि जब मै ं बीमार थी, आप पूरी रात मेरे पास बैठी रही। आप बार–बार मेरा हाल देखती और दवा देती। आपकी देखभाल ने मुझे सुरक्षित महसूस कराया। यह बात हमेशा मुझे आपके निस्वार्थ प्रेम की याद दिलाती है। मुझे यह भी याद है कि आपने मुझे खिलौने और किताबे ं दोस्तो ं के साथ बाँटना सिखाया। पहले मै ं बाँटना नहीं चाहती थी लेकिन आपने समझाया कि खुशी बाँटने से बढ़ती है। यह छोटी सी सीख आज भी मेरे जीवन का हिस्सा है। आप मुझे हमेशा पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित करती हो। आप कहती हो कि शिक्षा सफलता की कुँजी है। आप सुनिश्चित करती हो, कि मेरे पास किताबे ं हो और पढ़ने का समय मिले ं। आप याद दिलाती हो ं, कि शान जरूरी है, लेकिन अच्छा चरित्र उससे भी ज्यादा जरूरी है। आपके शब्द मै ं हमेशा याद रखूँगी–

''पहले अच्छा इंसान बनो ं''।

माँ मैं आपके हिम्मत की बहुत प्रशंसा करती हूँ। मै ं ने देखा है कि आप कठिनाइयो ं का सामना साहस से करती हो। चाहे पैसे की समस्या हो या स्वास्थ्य की समस्या, आप कभी हार नहीं मानती। आपने मुझे सिखाया है कि चुनौतियाँ जीवन का हिस्सा है और हमे ं आत्मविश्वास से उनका सामना करना चाहिए। मुझे याद है जब हमारे घर मे ं आर्थिक कठिनाई थी। तब आपने अपनी जरूरते ं कम कर दी, ताकि हमे ं कोई कमी महसूस न हो। आपने हमे ं प्यार और संस्कारो ं की दौलत दी। यही साहस आपको मेरा आदर्श बनाता है। सबसे बड़ी सीख जो मै ं ने आपसे पाई है, वह है प्रे म की शक्ति। आप सबको बिना किसी उम्मीद के प्यार करती हो। आप जल्दी माफ भी कर देती हो और दूसरो ं की मदद करती हो। आपका प्रेम मेरे जीवन को सूरज की रोशनी की तरह उज्ज्वल करता है। मुझे याद है जब हमारी पड़ोसन बीमार थी, आपने उनके परिवार के लिए खाना बनाया और रोज उनका हाल पूछा। आपने बिना सोचे मदद की। उस दया ने मुझे सिखाया कि प्रेम केवल परिवार तक सीमित नहीं, बल्कि सबके लिए होना चाहिए।

मै ं वादा करती हूँ कि आपके बताएँ रास्ते पर चलूंगी। मैं बड़ों का सम्मान करूँगी, जरूरतमंदों की मदद करूँगी और ईमानदारी से जीवन जीऊँगी। मैं आपको गर्व का एहसास कराऊँगी। मैं यह भी वादा करती हूँ कि जब आप बूढ़ी हो ंगी तो मैं आपकी देखभाल करूँगी। जैसे आपने जन्म से अब तक मेरी देखभाल की है। यह पत्र आपके प्रति आभार व्यक्त करने का छोटा सा प्रयास है। मेरे पास शब्द कम पड़ जाते है, जब मै ं आपकी महानता बताना चाहती हूँ।

आप मेरी मार्गदर्शक प्रेरणा और मेरी आदर्श हो। मैं हमेशा आपके स्वास्थ्य और खुशी की प्रार्थना करती हूँ।

सप्यार,

आपकी लाडली

खुशी सिंह

## "Magic of Zero"

Zero is nothing, that's what they say,
But nothing becomes magic in its own way.
Put it on the right - it multiplies might!
Move it to the left - and numbers grow slight.
It's round and humble, a quiet hero...
Nothing is something when it's zero

**Manya Singh**
Class - 12 C

## "Fibonacci's Secret"

One small seed, then one more new,
Add them up-what do they do?
1, 1, 2... and then comes 3.
5 and 8 grow wild and free.
Sunflowers turn and petals grow-
In spirals that the rabbits know.
Nature whispers, Look and see..
Math lives in every leaf and tree"

**Siya Singh**
Class - 12 C

# कहानी

## *मेहनत का फल*

एक गाँव में एक किसान रहता था। उसका नाम था कस्तूरी। वह बहुत गरीब था। उसका मिट्टी का बना हुआ एक छोटा सा घर था। वह किसी तरह दो वक्त का खाना जुटा पाता था। उसके दो लड़के थे। बड़े लड़के का नाम कमल तथा छोटे लड़के का नाम गोविन्द था। कस्तूरी पढ़ा–लिखा नहीं था, किन्तु वह अपने लड़कों को प्रतिदिन स्कूल भेजता था। जिससे उसके बच्चे पढ़–लिखकर घर की गरीबी दूर कर सकें। लेकिन बच्चों का मन भी पढ़ाई में नहीं लगता था। बड़ा लड़का कमल तो घर से निकलता स्कूल के लिए, लेकिन स्कूल जाने के बजाय खेतों में घूमने लगता था। छुट्टी के समय घर पहुँच जाता था। छोटा लड़का गोविन्द पढ़ने में बहुत अच्छा नहीं था, परन्तु प्रतिदिन स्कूल जाता था। माता–पिता पढ़े लिखे नहीं थे तथा गृहस्थी के काम–काज में व्यस्त रहते थे। अतः वे बच्चों की पढ़ाई पर ध्यान भी नहीं दे पाते थे।

एक दिन अध्यापक कक्षा में मौखिक प्रश्न पूछ रहे थे। उन्होंने गोविन्द से पूछा– ''कोण कितने प्रकार के होते है?'' गोविन्द उस समय कक्षा–5 में पढ़ता था। वह प्रश्न का उत्तर नहीं दे सका जबकि अध्यापक इससे पहले अच्छी प्रकार से कोणों के प्रकार पढ़ा चुके थे। गोविन्द कक्षा में ध्यान नहीं देता था।

अध्यापक ने उसकी खूब पिटाई की। जब गोविन्द घर आया, तो उसकी माँ ने चोट के निशान देखकर, उसे स्कूल जाने से मना कर दिया। अगले दिन जब गोविन्द स्कूल जाने के लिए तैयार नहीं हुआ, तब उसके पिता ने स्कूल न जाने का कारण पूछा। सारी बात जानकर उन्होंने गोविन्द को समझाते हुए कहा– ''बेटा, अगर तुम स्कूल नहीं जाओगे और पढ़–लिखकर आत्मनिर्भर नहीं बनोंगे, तो तुम्हें भी हम लोगों की तरह दो वक्त की रोटी कमाने में ही पूरा जीवन गुजार देना पड़ेगा।'' यह कहकर उन्होंने गोविन्द को स्कूल पहुँचा दिया। धीरे–धीरे गोविन्द का मन पढ़ाई में लगने लगा। उसके गाँव का स्कूल कक्षा–8 तक ही था। अतः आगे की पढ़ाई के लिए वह पास के कस्बे में, जो कि गाँव से 25 Km दूर था, गया तथा इण्टर तक की पढ़ाई वहीं से पूरी की। आगे की पढ़ाई के लिए शहर गया तथा स्नातक की शिक्षा पूरी की। माता–पिता उसकी पढ़ाई के लिए कुछ पैसे बचाकर देते थे तथा कुछ का इन्तजाम वह स्वयं मेहनत करके करता था।

बड़े भाई ने कक्षा–8 तक पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उसने माता–पिता की बात न मानते हुए आगे पढ़ने से मना कर दिया। वह घर पर रहकर घर की छोटी सी खेती में ही हाथ बँटाने लगा। स्नातक की पढ़ाई पूरी करने के बाद गोविन्द ने अपनी मेहनत व लगन से पुलिस विभाग में नौकरी प्राप्त कर ली। जब वह पुलिस की वर्दी में अपने गाँव वापस आया, तब गाँव वाले उसे देखकर बहुत प्रसन्न हुए। उसके माता–पिता उसे वर्दी में देखकर फूले न समाए। सभी को खुश देखकर गोविन्द भी बहुत खुश था। उसे अपनी मेहनत का फल मिल चुका था।

सीख – ''निरन्तर प्रयास से सफलता अवश्य मिलती है।''

कुमारी आरती
कक्षा– 9A

# इतिहास का महत्व एवं प्रांसगिकता

इतिहास मनुष्य का एक सच्चा शिक्षक है। जो समाज को भविष्य का उचित पथ बतलाता है। किसी भी जाति या राष्ट्र को सजीव, उन्नतिशील तथा गतिशील बने रहने के लिए इतिहास का अध्ययन अत्यंत महत्वपूर्ण है।

इतिहास हमें मानव प्रकृति के विभिन्न आयामों एवं पक्षों से अवगत कराता है। इसके अध्ययन से हमें सभ्यता के क्रमिक विकास का ज्ञान होता है। वर्तमान समाज को समझने के लिए आवश्यक है कि इस विकास के उन विभिन्न सोपानों को जान सके जिनमें से गुजर कर यह समाज वर्तमान स्थिति में आया है। जिस प्रकार चलचित्र में भूतकाल की किसी घटना का सम्पूर्ण चित्र हमारी आँखों के सामने आ जाता है। उसी प्रकार इतिहास किसी तत्कालीन समाज के आचार–विचार, धार्मिक जीवन, आर्थिक जीवन, सांस्कृतिक जीवन, राजनैतिक व्यवस्था शासन पद्धति आदि सभी ज्ञातव्य बातों का एक सुन्दर चित्र हमारी अंतदृष्टि के सामने स्पष्ट रख देता है। इतिहास के अध्ययन द्वारा ही किसी राष्ट्र के उत्थान के साथ–साथ उसके पतन की परिस्थितियों का ज्ञान प्राप्त होता है।

इतिहास वर्तमान को समझने, पहचान बनाने, अच्छे नागरिक बनने और भविष्य के लिए सबक सीखने में मदद करता है, यह हमें सभ्याताओं एवं संस्कृतियों और संस्थाओं के विकास को समझने, नैतिक मूल्यों को विकसित करने और तकनीकी युग में भी प्रासंगिक रहने के तरीके सिखाता है। इतिहास हमें अतीत की गलतियों से सीखने और भविष्य के लिए बेहतर निर्णय लेने में सक्षम बनाता है।

रेखा यादव

प्रवक्ता (इतिहास)

# My Temple of Learning

My name is Nikki Soni, and I am a student of PM Shri GGIC Robertsganj, Sonbhadra. My schoole life is one of the most important and memorable parts of my journey. GGIC Robertsganj is not Just a so for me, but it is a place where I learn, grow, and dream for a better future.

Every morning, I wear my uniform with pride and reach school with excitement. The school campus is full of positive energy. The classrooms, the playground, and the morning assembly make me feel connected to my school. The assembly teaches us discipline, unity, and moral values through prayers, thoughts, and speeches. The teachers of GGIC Robertsganj are very supportive and hardworking. They guide us like parents and help us not only in studies but also in life. They motivate us to do our best and always encourage us to believe in ourselves. Because of them, I have learned the value of education, confidence, and responsibility.

My school also provides many opportunities for activities like debates, sports, cultural programs, and competitions. These activities help students improve their talents and personality. I enjoy participating in school functions and spending time with my friends. My friends make my school life joyful and unforgettable. School life is not only about books and exams, but it is also about learning discipline, friendship, respect, and dreams. GGIC Robertsganj has given me a strong foundation for my future. I feel proud to be a student of this school.

In conclusion, my school life at GGIC Robertsganj is full of learning, happiness, and inspiration. I will always remember my school days as the most beautiful chapter of my life.

**Nikki Soni**
Class -12th science

## बेटी कौन है।

–घर पहुँचते ही दौड़कर जो पास आये उसे कहते है बेटी।
–दूर जाने पर जो बहुत रूलाये उसे कहते है बेटी।
–सब कुछ सहकर जो अपने दु:ख छुपाये उसे कहते है बेटी।
–पति की होकर भी जो पिता को ना, भूल पाये उसे कहते है बेटी।
–मीलों दूर होकर भी पास होने का जो एहसास दिलाये उसे कहते है बेटी।

## *बेटी को एक घर दो*

बेटी की एक घर दो,
दहेज दो या ना दो,
पर उसको एक ठिकाना दो।

जहाँ वो खुद की हो,
ना किसी की परछाई हो।
मायका उसका होता है
पर वहाँ ठहराव नहीं।

ससुराल भी उसका होता है,
पर वहाँ अपनापन नहीं।
दो घरों के बीच वो रहती है,
पर कहीं अपना घर नहीं।।

शालू
कक्षा– 8A

## मिशन शक्ति

मिशन शक्ति भारत सरकार द्वारा महिलाओं की सुरक्षा, संरक्षा और सशक्तिकरण के लिए शुरू किया गया एक ''अम्ब्रेला'' (एकीकृत) अभियान है, जो 1 अप्रैल 2024 से लागू है। यह कार्यक्रम महिला एवं बाल–विकास मंत्रालय द्वारा संचालित है, जिसके उप–कार्यक्षेत्र 'संबल (सुरक्षा) और 'सामर्थ्य' (सशक्तिकरण) है, जो महिला कल्याण के लिए जीवन चक्र निरंतरता दृष्टिकोण अपनाते है।

मिशन शक्ति के प्रमुख घटक–

1. संबल (सुरक्षा)– इसमें वन स्टॉप सेंटर (OSC) महिला हेल्पलाइन (WHL) बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ (BBBP) और नई ''नारी अदालत'' योजनाएं शामिल है।
2. सामर्थ्य (सशक्तिकरण)– इसमें उज्जवला (मानव तस्करी की रोकथाम स्वाधार गृह (कठिन परिस्थितियों में महिलाओं के लिए) और वर्किंग वुमन हॉस्टल जैसी योजनाएं शामिल हैं।

उद्देश्य– महिलाओं को जागरूक बनाना, सुरक्षित वातावरण प्रदान करना, कौशल विकास और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है।

इफत
6B

# नारी तुम अबला नहीं

रानी की इस महासमाधि से,
उठने लगी है करूण पुकार।
ध्यान लगाकर सुनो कभी तो,
उस अतृत्त आत्मा की चीत्कार।

पूछ रही है वह तेजस्विनी,
क्या तुम ही वो मेरा समर्पण हो?
दिखता जिसमें प्रतिबिंब समाज का,
क्या तमु ही वो निश्चल दर्पण हो?

वेदों ने जिस नारी को,
पूजनीय था बतलाया।
क्या तुम ही वो सीता हो,
जिसकी छू न सका कोई छाया।

अपाला, गार्गी और लोपामुद्रा,
विद्योत्तम, सवित्री या सुभद्रा हो,
है पूछ रही सब नारियाँ तुमसे,
क्या तुम हमसे अबला हो?

कहाँ गई वो सिंहनी जिसने,
छत्रसाल शिवा और राणा जने।
तुम्हारी वीरता की महाअग्नि से,
कितने ही अगणित सिंह बने।

अपाला, गार्गी और लोपामुद्रा,
दुर्गावती, नायिकी और चेन्नमा थी।
रजिया बनकर लड़ी नियति से,
वो स्त्री क्या अबला थी।

क्या वो नारी अबला थी?
हाड़–मास की गुड़िया बनकर,
तुम केवल श्रृंगार में डूबी।

स्वयं को भोग्या बनाकर भी तुम
क्या नहीं इस अपमान से ऊबी।
उठो, जागो और आगे बढ़कर,
यह निष्ठुर सत्य स्वीकार करो।

पराधीनता है मृत्यु से बढ़कर,
मत अब पराभव स्वीकार करो।
तुम देह नहीं, तुम आत्मा हो,
गार्गी, दुर्गा, लक्ष्मीबाई बनो।

जागो नारी अब अपने भविष्य का,
पुनः नया निर्माण करो।

मान्या सिंह
कक्षा–12 C

## वेदों में खानपान

वेद धार्मिक और आध्यात्मिक ग्रंथ हैं , परन्तु उनमें इतिहास, विज्ञान, कला, संस्कृति, भूगोल सब कुछ समाया है, यहाँ तक कि खान–पान भी। बिहार के लेखक ओम प्रकाश प्रसाद की पुस्तक ''प्राचीन इतिहास में विज्ञान'' से जानिए कुछ रोचक तथ्य।

- ऋग्वेद में चावल की मोटी रोटी बनाने की तकनीक की चर्चा है।
- ऋग्वेद के दसवें मंडल में शहद तैयार करने का वर्णन है। वहाँ मधुमक्खियों को सरघा कहा गया है।
- इसी मंडल में सत्तू चालने अर्थात् तितउना की चर्चा है। इसके छेद तिल के समान छोटे होते थे। भुने हुए अनाज को पीसकर सत्तू बनाने की प्रक्रिया वैदिककाल में ही आरंभ हुई।
- उपसेचनी (उड़ेलने का प्याला या चमचा) तथा घी रखने के बर्तन की चर्चा ऋग्वेद के प्रथम मंडल में है।
- तिल, उड़द, गेहूँ, चावल,जौ, चना आदि पैदा करने की कृषि तकनीक यजुर्वेद के तीसरे अध्याय में वर्णित है। इस वेद में दूध, दही और मधु के योग से स्वादिष्ट भोजन तैयार करने की चर्चा है।
- अथर्ववेद में ओखल–मूसल, सूप और करछुल के अविष्कार का वर्णन है। दही से घी निकालने की तकनीक की चर्चा भी इस ग्रंथ में है।

श्रेयसी पाठक
6B

## शानदार तथ्य

- 1889 में , इटली की रानी, मार्गेरिटा सेवॉय ने पहली बार पिज्जा डिलीवरी का आदेश दिया था।
- जापान में ईल के स्वाद वाली आइसक्रीम खरीद सकते है।
- पुर्तगाल में लाल स्याही से लिखना असभ्यता मानी जाती है।
- बिल्ली की पूंछ में उसके शरीर की कुल हड्डियों का लगभग 10 प्रतिशत हिस्सा होता है।
- छिपकली के पैरों में लाखों छोटे–छोटे बाल होते हैं जो एक विशेष रासायनिक बंधन के माध्यम से सतहों से चिपक जाते हैं और उन्हें दीवारों पर चढ़ने और केवल एक उंगली के सहारे लटकने में मदद करते है।
- अंतरिक्ष यात्री (ASTRONAUT) शब्द ग्रीक शब्दों से आया है जिनका अर्थ है ''तारा'' और ''नाविक''
- जैलीफिश, कोई मछली नहीं होती हैं। उनके न तो दिमाग होता है, न ही दिल और न ही हड्डियां।
- शुतुरमुर्ग की आँख उसके दिमाग से बड़ी होती है।
- कुत्तों की सूंघने की क्षमता मनुष्यों की तुलना में लगभग 100,000 गुना अधिक होती है, लेकिन उनकी स्वाद क्षमता मनुष्यों की तुलना में केवल एक–छठा हिस्सा होती है।

आस्था शुक्ला
6B

# When Hormones Fall in Love

In the silence of my beating heart,
A secret biological reaction takes part.
Not just feelings, not just a dream,
But hormones dancing in my bloodstream.
Oxytocin holds your hand in mine,
A bond so warm, so so divine.
It whispers softly, “Stay close, stay near,"
Turning distance into disappear.
Dopamine paints your smile so bright,
My happiest drug, my pure delight.
Each time you laugh, my soul will glow,
Like neurons sparking, love will flow.
Serotonin calms my restless sea,
You are the peace inside of me.
With you, my world feels safe, complete,
A heartbeat's calm, a rhythm sweet.
Adrenaline rushes when you're near,
A nervous joy, a lovely fear.
My pulse confesses what words can't say,
That I fall for you évery day.
Oh love is not just poetry,
It's biology's melody.
A romantic hormone song so true,

**Pratima Pal**
Biology Lecturer

# मेरे आदर्श

रानी लक्ष्मी बाई भारतीय इतिहास की एक महान वीरांगना और स्वतंत्रता संग्राम की महान नायिका है। उनका जीवन साहस औ वीरता, त्याग का प्रतीक बना हुआ हैं, वे झांसी की रानी के रूप में प्रसिद्ध है, जिन्होनें 1857 ई. के स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों से डटकर मुकाबला किया। उनकी वीरता आज भी भारतीयों के दिलों में जीवित हैं।

''जिसने नारी के लिए अबला शब्द गढ़ा
शायद उसने झांसी की रानी को नहीं पढ़ा।''

प्रारंभिक जीवन– रानी लक्ष्मीबाई का जन्म 19 नवम्बर 1828 ई. को वाराणसी में हुआ था। उनका नाम मणिकर्णिका था, जिसे प्यार से मनु भी कहा जाता था। वे मराठा परिवार से थी और बचपन से ही घुड़सवारी, तलवारबाजी और युद्ध कला में रूचि रखती थी। 14 वर्ष की उम्र में उनका विवाह झांसी के राजा गंगाधर राव से हुआ। वे इस प्रकार से झांसी की रानी बन गयी।

''भारत देश में जन्म हुआ था,
लक्ष्मीबाई था नाम उनका।।
उखाड़ फेंका हर दुश्मन को,
जिसने किया झांसी का अपमान।
दिखने में थी सीधी–सादी,
पर वो है भारत की शान।।
अंग्रेजो को हराने के लिए,
उसने किया अपना जीवन कुर्बान।''

रानी लक्ष्मीबाई के पिता का नाम मोरोपंत ताम्बे व माता का नाम भागीरथी बाई था। तथा वे 29 वर्ष की उम्र में वीरगति प्राप्त की।

1857 का विद्रोह और संघर्ष– 1857 ई. में भारतीय स्वतंत्रा संग्राम के दौरान अंग्रेजों ने झांसी को हड़पने का प्रयास किया। उन्होनें झांसी की रानी लक्ष्मीबाई ने इसे अस्वीकार किया और अपनी सेना के साथ में अंग्रेजो का डटकर मुकाबला किया। झांसी की शाही सेना का नेतृत्व करते हुए अंग्रेजों के खिलाफ कई युद्ध लड़े। उनकी बहादुरी और रणनीति ने उन्हें भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की एक प्रमुख हस्ती बना दिया।

''चमक उठी सन सतावन में
वह तलवार पुरानी थी।
बुंदेले हर बोलो के मुख
हमने सुनी कहानी थीं।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झांसी वाली रानी थीं।।''

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य
सेनेटरी पैड/नैपकिन वितरण कार्यक्रम 2024-25
03-12-2024
राजकीय
श्रीमती चन्दा यादव

# मेरे आदर्श

वीरता और बलिदान– झांसी की रक्षा करते हुए रानी लक्ष्मीबाई ने अपने प्राणों कि आहुति दे दी। 18 जून 1858 ई. को काल्पी के युद्ध में शहीद होते हुए उन्हो ंने यह साबित किया कि वे एक वीर नायिका थीं। उनका बलिदान भारतीय इतिहास में हमेशा याद किया जायेगा।

''राजभवन की चोट पर तनकर
रानी की तलवार उठी
एक हाथ से बिगुल बजा
काली की झलकार उठी।
उरी के मुंह को काट–काट
खुन सरी विस्तार उठी।
झांसी वाली उस रण मे
रणचंडी ललकार उठी।''

खुबसूरत तो दासियां भी हुआ करती हैं लेकिन रानी बनने के लिए अदायें नहीं मर्यादायें होनी चाहिए। रानी लक्ष्मीबाई में रानी के सारे गुण मौजूद थे।

प्रेरणादायक कविताएँ–

रानी लक्ष्मीबाई, वीरता की पहचान,
झांसी की रानी बनी, इतिहास का मान।
जब देश पर आया संकट भारी,
रानी ने लड़ा युद्ध, साहस से थे खारी।
सिंहासन पर बै ठकर, न कभी वह डरी,
झांसी की रानी माटी मे , वीरता की गाथा पुरी।
लक्ष्मीबाई ने दिखाया, देश के प्रति प्यार,
आजादी के लिए लड़ा जी–जान से वह तैयार।
आओ! हम सब भी संकल्प ले ,
रानी की तरह वीर बने ।
अपने देश की रक्षा करे , सच्चे दिल से,
भारत माँ के लिए, जिएं हम सब हमेशा सच्चे।
सिंहासन हिल उठे राजवंशो ने भृकुटी तानी थी,
बुढ़े भारत मे भी आयी फिर से नसी जवानी थी,
गुमी हुई आजादी की किमत सबने पहचानी थी,
दूर फिरंगी को करने की सबने मन मे ठानी थी,
चमक उठी सन सतावन मे
वह तलवार पुरानी थी।
बुंदेले हर बोलो के मुख
हमने सुनी कहानी थीं।
खूब लड़ी मर्दानी वह तो
झांसी वाली रानी थीं।

# मेरे आदर्श

कानपुर के नाना की मुँह बोली बहन छबीली थी लक्ष्मीबाई नाम, पिता कि वह संतान अकेली थी नाना के संग पढ़ती थी, वह नाना के संग खेलती थी, बरछी, भाल कृपाण, कटारी उसकी यही सहेली थीं, वीर शिवाजी कि गाथएँ, उसको याद जबानी थी, लक्ष्मी थी या दुर्गा थी वह स्वयं वीरता की अवतार देख मराठे ं पुलकित होते उसकी तलवारो ं के वार, नकली युद्ध, व्युह की रचना और खेलना खूब शिकार सैन्य घेरना, दुर्ग तोड़ना ये थे उसके प्रिय खेलवाड़।

रानी लक्ष्मीबाई से हमें ं मिली प्रेरणाएँ– वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई से हमें ं क्या सीख मिलती हैं ? झांसी की रानी के जीवन से हमें ं प्रेरणा ले सकते हैं , कि अपनी स्वतंत्रता और मातृभूमि की रक्षा के लिए हमें ं अपना तन–मन सब कुछ न्योछावर कर देना चाहिए, झांसी की रानी लक्ष्मीबाई को चरित्र से हमे ं वीरता स्वदेश प्रेम और आत्मबलिदान की प्रेरणा मिलती हैं। रानी लक्ष्मीबाई ने झांसी की सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए एक स्वयं सेवक सेना का गठन प्रारंभ किया। इन सेना में महिलाओं की भर्ती भी की गयी थीं और युद्ध प्रशिक्षण दिया गया। अंततः साधारण जनता ने भी रानी लक्ष्मीबाई का सहयोग किया।

''रानी लक्ष्मीबाई ने दिखाया, देश के प्रति प्यार
आजादी के लिए लड़ा, जी जान से वह तैयार''।

रानी लक्ष्मीबाई की प्रे रणादायक बातें – झांसी की रानी लक्ष्मीबाई एक ऐसा नाम है जो देशभर में मिशाल बना हुआ है। वो घोड़े पे सवार अपने दुश्मनो ं को चारो ं खाने चित कर रही तस्वीर देखकर आज भी दिल गर्व से भर आता हैं , लेकिन क्या आप ये जानते है कि एक समय ऐसा भी था जब महिलाओं को घुंघट केवल घुंघट के पीछे रहने के लिए बनी हैं , पर इस सोच को बदलने के लिये आयी रानी लक्ष्मीबाई उन्हो ंने ऐसी ज्वाला भड़कायी कि अंग्रेजो कि पाव उखाड़ फे ंकी सालो ं से भारत अंग्रेजो ं कि झेल रहा था लेकिन जब झांसी की रानी ने युद्ध स्थल में ं उतरी तो उनकी तलवार चमक उठी और सभी दुश्मन भी सहम गये और उनका साहस, शौर्य और बलिदान की कहानी हर भारतीय के दिल में ं आज भी बसती हैं ।

आप सभी लोग सुभद्रा कुमारी चौहान द्वारा लिखित कविता तो पढ़े होंगे, यह 1857 ई. की क्रांति कैसे हुई थी? उस दौर को जानने के लिए हमें ं जाना होगा जब अंग्रे जी सत्ता अपने चरम सीमा पर थीं। 1787 में ं बैटल ऑफ पलासी और सन् 1764 ई. में ं बैटल ऑफ बक्सर के बाद अंग्रे जी सत्ता भारत पर पूरी तरह से हावी हो गयी थी। 10 0 सालो ं तक अंग्रेजो ं ने भारत को लूटा निचोड़ा और शोषण किया लेकिन इनका भी रानी लक्ष्मीबाई ने विरोध किया।

''जब देश पर आया संकट भारी
रानी ने लड़ा युद्ध, साहस से थे खारी।।''

रानी का अंतिम दौर– रानी लक्ष्मीबाई ने मृत्सु से पहले अपने साथियो ं से कहा था, कि अंग्रेजो ं के हाथ नहीं लगना चाहिए उनका पार्थिव शरीर, रानी लक्ष्मीबाई का नाम हमारे देश में ं बड़े गर्व से लिया जाता हैं रानी लक्ष्मीबाई उन सभी क्रांतिकारियो ं में ं से एक थी जिसने 1857 के प्रथम स्वतंत्रता युद्ध में बढ़ चढ़कर भाग लिया था। मात्र 23 वर्ष की उम्र में ं जिस तरह से रानी लक्ष्मीबाई ब्रिटिश साम्राज्य की सेनाओ ं से लड़ाई लड़ी, उसे देखकर अंग्रेज अफसर भी हैरान हो उठें , गंगाधर राव की मृत्यु के बाद ब्रिटिश गर्वनर जनरल लॉर्ड डलहौजी ने दामोदर को उत्तराधिकार मान चुका था और झांसी का विलय ब्रिटिश साम्राज्य करने को सोच चुका था। रानी लक्ष्मीबाई ने इस बात के लिए लंदन में ं मुकदमा भी दर्ज कराया लेकिन इनके मुकदमें ं को खारिज कर दिया गया था। अंग्रेजों ने झांसी की खजाने पर कब्जा कर लिया और रानी लक्ष्मीबाई को झांसी का किला छोड़ने का चेतावनी दी। उस समय वे किला छोड़कर रानी महल में ं चली गयी। उन्हो ंने पुनः अंग्रेजो ं से लड़ाई लड़ने का फैसला लिया। मार्च 1958 ई. में ं ब्रिटिश सेना ने झांसी को चारो ं तरफ से घेर लिया था। रानी लक्ष्मीबाई ने अपनी छोटी सी सेना के साथ इनका सामना किया। उन्होंने अपने पुत्र को अपने पीठ पर बांधकर के युद्ध में ं डटी रहीं।

## मेरे आदर्श

रानी लक्ष्मीबाई और ब्रिटिशो ं के बीच भीषण युद्ध हुआ। इस प्रकार वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई 8 जून 1858 ई. को वीरगति को प्राप्त हुई हो गया।

''बुंदेले हरबोलो के मुँह हमने सुनी कहानी थी
खुब लड़ी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी।''

धन्यवाद !

भवदीय
अनामिका
पता– धरनीपुर

## Chemistry: A Poem

Atoms dancing, tiny and bright,
Bonding together day and night.
From water we drink to air we share,
Chemistry works everywhere.

In labs, in kitchens, in sky so blue,
Reactions happen - old and new.
A science of change, both near and far,
Chemistry shows us who we are.

**Neha Jatav**
Chemistry Lecturer

MENSTRUAL
HYGIENE

GOVT. GIRLS INTER COLLEGE..
"ROBERTSGANJ — SONEBHADRA"

# मानव शरीर के बारें में रोचक तथ्य

- मानव शरीर की सम्पूर्ण हड्डियों की आधे से अधिक संख्या पैसे एवं हथेलियों में होती है।
- दांत, मानव शरीर में सबसे कठोर उपांगीय अंग होते है। एक सामान्य वयस्क के मुँह में 32 दांत होते है।
- अगर आप अपनी त्वचा उतार दें, तो उसका वजन लगभग 5 पाउंड होगा।
- आपके शरीर के वजन का लगभग 70 प्रतिशत हिस्सा पानी है।
- मांसपेशियों का वजन शरीर के वजन का लगभग आधा होता है।
- मस्तिष्क एक कम्प्यूटर की तरह है और यह पूरे शरीर को नियंत्रित करता है।
- हर सेकेंड, आपका शरीर 2.5 करोड़ नई कोशिकाएं बनाता है। इसका मतलब है कि 15 सेकेंड में आप अमेरिका की कुल आबादी से भी ज्यादा कोशिकाएं बना लेंगे।
- मानव शरीर में रक्त वाहिकाओं की लम्बाई 60,000 से 100,000 मील तक होती है।
- मानव शरीर की सबसे बड़ी हड्डी फीमर है, जिसे जांघ की हड्डी भी कहा जाता है। सबसे छोटी हड्डी है, जो कान के पर्दे के अंदर स्थित होती है।

पिंकी राव
6A

## Motivational Thoughts

1. Speak in such a way that
   others love to listen to you.
   Listen in such a way that
   others love to speak to you.
2. Yesterday was a past.
   Tomorrow is a future.
   But today is a gift
   That's why it is called present.
3. Knowledge is power. It can even save lives.
4. Self-Confidence and will power can make a mountain move.
   A teacher is like a lamp, imparting light to our lives.
5. Book give a soul, to the universe.
   wings to the mind, flight to the
   imagination and life to everything.
6. It is very easy to defeat someone but it is very hard to win over someone.
   Always be humble.
7. Winning and losing are part of life.
   But accepting our wins with humility and defeats with grace is what really matters.
8. Be humble in your words and actions.
   Humbleness wins the heart of others like no other value.
9. Participation is more important than winning.
10. Don't let yesterday take too much of your today.
11. Silence is the best answer to someone who doesn't value your words.
12. Believing in yourself is the first secret of success.
13. Dream big, start small, act now.

## Amazing Facts About the Nobel Prize in Chemistry:

1. What is the Nobel Prize in Chemistry?
   The Nobel Prize in Chemistry is one of the most prestigious awards in science, established by the will of Swedish inventor Alfred Nobel in 1895. 1t is given each year to scientists who have made outstanding contributions to chemistry.
2. Winner's Reward Laureates receive a gold medal, a diploma, and a cash prize (about l l million Swedish kronor).
3. It's Global Scientists from all around the world from Europe, Asia, Australia, the USA and heyond Nobel Prize.
4. Chemistry at Work in Real Life a Winning discoveries often change everyday life - from new medicines to materials that help fight climate change or clean water! Many Nobel Prize discoveries apply directly to environmental and health problems.
5. Surface Area Surprise
   Some chemical materials (like the ones in the latest Nobel prize) can have more surface area inside a tiny cube than a football field crazy but true!
6. Famous Repeat Winners
   Some scientists have even won the Nobel Prize more than once like Frederick Sanger and Karl Barry Sharpless in chemistry history.

Latest Nobel Prize in Chemistry (2025)

The 2025 Nobel Prize in Chemistry was awarded to three scientists:
Susumu Kitagawa

University of Kyoto, Japan
Richard Robson

University of Melbourne, Australia can win th
Omar M. Yaghi

University of California, Berkeley, USA

What Did They Discover?
These scientists were recognised “for the development of metal-organic frameworks (MOFs)" a new kind of molecular architecture.

राबर्ट्सगंज, सोनभद्र
वय जागरूकता कार्यक्रम
श्रीमती रंजना शुक्ला
प्रधानाचार्या
माहवारी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता प्रबंधन
चुप्पी तोड़ो, खुलकर बोलो


समग्र शिक्षा अभियान माध्यमिक
unicef
पंख
करियर गाइडेंस प्रोग्राम

## Funny Chemistry Facts for School Magazine:

Bananas are naturally radioactive.

Yep, they contain potassium-40! Don't worry. you'd need lot to glow in the dark.

Water can boil and freeze at the same time.

This happens at a "triple point." Chemistry is basically multitasking.

Helium can make your voice sound like a chipmunk.

But don't inhale too much-science is funny, but safety comes first!

Hot water can freeze faster than cold water.

This is called the Mpemba effect. Sometimes chemistry just likes to mess with logic.

Chocolate contains chemicals that make your brain happy.

So technically, eating chocolate is a chemical reaction for joy.

Your body is mostly water.

So really... you're just a walking chemical solution.

Some metals explode when in contact with water.

Sodium is like: “Hi water, want to go boom?"

Alka-Seltzer + water = instant fizz party.

You've basically been hosting tiny chemical parties in your sink.

Cucumbers contain a small amount of çopper.

So technically... your salad is a metal dinner.

Oxygen is very clingy.

It forms compounds with almost every element. Chemistry ultimate relationship drama.

**Meenakshi Mishra**

10 A

## Fascinating Chemistry Facts :

1. Chemistry is Everywhere
   The air we breathe, the water we drink, the food we eat, even the plastic ón our bottes all involves chemistry without, we wouldn't have medicine, simartphones, or fireworks!
2. Colors Can Tell a Story
   Many chemical reactions produce colorful changes. Red cabbage juice, turmeric, and litmus paper can show whether a substance is an acid or a base just by changing color.
3. Chemistry Can Be Fizzy
   Baking soda + vinegar = a bubbly reaction!
   This happens because a gas called carbon dioxide is releascd. creating Fizz and foam
4. Some Reactions Glow
   Certain chemicals glow in the dark when they react, a phenomenon called chemilumine scence. Glow sticks use this reaction!
5. Temperature Matters
   Some reactions happen faster when hot and slower when cold. That's why ice slows down the spoiling of food-it slows down chemical reactions!
6. Chemistry is Full of Surprises
   Sodium reacts explosively with water, but sodium chloride (table is safe to eat. some element, different compound-different behavior!
7. Chemistry Explains Everyday Mysteries
   Why does soap clean oil? Chemistry! Soap molecules have parts that attracts water and parts that attracts oil, helping remove grease.
8. Chemistry is About Energy
   Burning wood, cooking food, even running a battery all involve chemical energy being transformed into heat, light, or electricity.
9. Chemistry Helps Save Lives
   Medicines, disinfectants, vaccines, and antiseptics are all products of chemistry experiments.
10. Chemistry is Fun
    You can make safe "lava lamps," slime, or even elephant toothpaste in a tab- chemistry is not just experiments, its playful science in action!

**Meenakshi Mishra**
10 A

# Magic in the Lab: The Colorful World of Chemistry:

Have you ever wondered how scientists make liquids change color, fizz or even explode safely in a lab. Chemistry is the science that lets us explore these transformations. In our recent school lab experiment. We got to see chemistry in action with a simple and colorful reaction called the "acid-base indicator experiment."

## Objective

To observe how acids and bases can change the color of a natural indicators.

## Materials

Red cabbage juice (natural pH indicator)
Lemon juice (acid)
Baking soda solution (base)
Test tubes or small clear glasses
Dropper

## Procedure

First, we prepared the natural indicator by boiling red cabbage leaves in water the resulting purple liquid was our pH indicator.

Next, we poured a small amount of the cabbage juice into thrce test tubes To the first tube, we added a few drops of lemon juice. Immediately. the liquid turned pink, showing it was acidic.

In the second tube, we added baking soda solution. The color shifted to greenish-blue, indicating a basic solution.

The third tube was left as a control it stayed purple, showing a neutral pH.

## Observations

Acidic solutions turn the cabbage juice pink/red.
Basic solutions turn it blue/green.
Neutral solutions remain purple.

## Conclusion

This experiment demonstrated that acids and bases can be detected using natural indicalors It also showed how chemistry is not just about formulas-it's about seeing science come alive in color and reaction.

**Shreya Shree Gupta**
10 A

PM SHRI
एम. श्री राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज
रावर्ट्सगंज, सोनभद्र
वार्षिक खेलकूद दिवस
मुख्य अतिथि
श्रीमती नमिता शरण
जिला पंचायत राज अधिकारी, सोनभद्र
निवेदकः-
प्रधानाचार्या

दिनांक - 19.09.2025, दिन - शुक्रवार

## कविता

औरत तेरी यहीं कहानी
बचपन जहाँ बिताया था
वह घर कहाँ ठिकाना था
कहने को सब अपने थें
मायका अपना लगता था
दादा–दादी, माँ–पापा
सबकी पलकों पर रहती थीं।
एक पल में ही दूर किया
क्या इसलिए दुनिया में आयी थी
सबको हँसता ही देखना चाहती थी
पल–भर में सब छोड़ चली।
कुछ ये परेशान कुछ उदास थें
कुछ छुपा रहे अपनी मुस्कान
ना जाने यह कैसी विदाई थी
कहने को सब अपने थें
दिन दुपहर के सपने थें
औरत तेरी यही कहानी।

निभा पाण्डेय

## सबसे अच्छी प्रेरणा दायक कविता

वो आकाश क्या जिसमें तारे ना हो,
वो सागर क्या जिसमें गहराई ना हो।
वो पथ क्या जो पथरीले ना हो,
वो जीवन क्या जिसमें संघर्ष ना हो।
वो सूर्य क्या जिसमें तपन ना हो,
वो चाँद क्या जिसमें शीतलता ना हो।
वो बरसात क्या जिसमें बिजली ना हो,
वो जीवन क्या जिसमें प्रकाश ना हो।
वो बाग क्या जिसमें हरियाली ना हो,
वो डाली क्या जिसमें काँटे ना हो।
वो तथ्य क्या जिसमें तर्क ना हो,
वो वस्तु क्या जो संभव ना हो।
वो कहानी क्या जिसका अंत ना हो,
वो पतन क्या जो आजाद ना हो।
वो कर्म क्या जिसमें लगन ना हो,
वो जन्म क्या जिसका कोई लक्ष्य ना हो।

नाम– आयुषी
कक्षा– 11 A
पिता का नाम– श्री रामनिहोर

## माँ का प्यार

माँ की ममता माँ का प्यार,
झूठा है सारा संसार।
गोद उठाती लोरी गाती,
पहले खाना हमें खिलाती।

करती पल–पल हमें दुलार,
माँ की ममता, माँ का प्यार।
माँ की आँखों के तारे हम,
घर के राज दुलारे हम।

मीठे सुर में रही पुकार,
माँ की ममता माँ का प्यार।
दूर नहीं रहने देती,
आँसू नहीं बहने देती।

कौन है माँ के जैसा,
सोना, चाँदी, रूपया, पैसा।
उसके आगे सब बेकार
माँ की ममता माँ का प्यार।।

## खेल-कूद

### प्रदेश स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता

टीम के सदस्यों का नाम

- विनती तिवारी
- नन्दनी मौर्या

विद्यालय का नाम– पी.एम. श्री राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज, राबर्ट्सगंज, सोनभद्र

वर्ष– 2025

गाइड शिक्षक– रेखा कु0 यादव

छात्र का अनुभव– मेरा नाम विनती तिवारी हैं। मैं कक्षा 11वीं की छात्रा हूँ। तीरंदाजी मेरा प्रिय खेल है। मैं जब कक्षा 8 में थी, तब मैंने इस खेल के बारें में विद्यालय द्वारा जाना था और खेलना प्रारम्भ किया था। मुझे इस खेल में रूचि थी क्योंकि मेरे दादा जी निशानेबाजी (चांदमारी टीम उत्तर–प्रदेश पुलिस) के नेशनल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीते थे। मैने 06.04.2023 से 20.04.2023 तक सोनभद्र में संचालित केन्द्रीय प्रशिक्षण शिवर तीरन्दाजी खेल में भाग लिया, जनपद प्रदेश स्तरीय तीरंदाजी प्रतियोगिता 2024–2025 (अण्डर–17) में द्वितीय स्थान प्राप्त किया तथा झारखण्ड में आयोजित प्रदेशीय चैम्पियनशिप (अण्डर–17) में तृतीय स्थान प्राप्त किया तथा भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) द्वारा आयोजित नेशनल प्रतियोगिता में भी भाग लिया।

10 Golden Rules
Teachers

**कार्यालय– पी.एम. श्री राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज,**
**राबर्ट्सगंज, सोनभद्र**

| क्र. सं. | शिक्षक का नाम/कर्मचारी | पदनाम | विषय |
|---|---|---|---|
| 1. | श्रीमती वन्दना सिंह | प्रवक्ता | अंग्रेजी |
| 2. | श्रीमती चन्दा यादव | प्रवक्ता | गृहविज्ञान |
| 3. | श्रीमती रेखा कुमारी | प्रवक्ता | इतिहास |
| 4. | श्रीमती अर्चना सिंह यादव | प्रवक्ता | हिन्दी |
| 5. | सुश्री वन्दना सिंह | प्रवक्ता | गणित |
| 6. | श्रीमती प्रतिमा पाल | प्रवक्ता | जीव विज्ञान |
| 7. | श्रीमती नेहा जाटव | प्रवक्ता | रसायन विज्ञान |
| 8. | श्रीमती निशा सिंह | स. अ. | जीव विज्ञान |
| 9. | श्रीमती भावना रानी | स. अ. | गृहविज्ञान |
| 10. | श्रीमती सीमा | स. अ. | गणित |
| 11. | श्रीमती प्रीति | स. अ. | सामाजिक विज्ञान |
| 12. | श्रीमती प्राची गुप्ता | स. अ. | हिन्दी |
| 13. | श्रीमती गुंजन शुक्ला | व्यवसायिक अध्यापिका | ब्यूटी एंड वैलनेस |
| 14. | श्री अजीत कुमार | व्यवसायिक अध्यापक | रीटेल |
| 15. | श्रीमती राधा गुप्ता | वरिष्ठ सहायक | – |
| 16. | श्री प्रकाश त्रिपाठी | कनिष्ठ सहायक | – |
| 17. | श्री कैनथ सी एरियल | परिचारक | – |
| 18. | श्री राजेश कुमार | परिचारक | – |
| 19. | श्री महेन्द्र प्रसाद | परिचारक | – |
| 20. | श्री अरूण कुमार | परिचारक | – |
| 21. | श्री अरूण देव पाण्डेय | परिचारक | – |
| 22. | श्री अंकित कुमार | M.T.S | – |
| 23. | श्री चन्द्रकान्त देव पाण्डेय | M.T.S | – |
| 24. | श्री संजय | M.T.S | – |
| 25. | श्री आशुतोष देव पाण्डेय | M.T.S | – |